तर्ज़ - ऐसा देस है मेरा

गुरुमत की मुरत नुरानी ..हो.....
सद्‌गुरु की माता..... (२)
माता बुध्दवंतीजी, जगत माँ बुध्दवंती जी

सद्‌गुरु के परिवार मे रहकर
गुरुभक्ती में निभाई जिंदगी,
गुरुभक्ती में निभाई
हुकुम मे रहके भाणा माना,
शुकर शुकर मे बिताई जिंदगी,
शुकर शुकर मे बिताई
तन-मन-धन सब किया समर्पण होssssss
जीवन रुहानी जिया ये जीवन रुहानी
माता बुध्दवंतीजी.... ॥१॥

सद्‌गुरु बुटा सिंह जी को
अपनी भक्ति से रिझाया,
अपनी भक्ति से रिझाया
शहनशाह जी के संग संग
भक्तों पे प्यार लुटाया,
भक्तों पे प्यार लुटाया
सारे जगत की माता तेरा हो..ssss
सारे जगत की माता तेरा नही कोई सानी
माता बुध्दवंतीजी ॥२॥

भोली सुरत भोली सीरत,
सादगी को अपनाया
तूने माॅं सादगी को अपनाया
छोटा बडा ना देखा कभी भी
सबको गले लगाया
तुने माॅं सबको गले लगाया
सेवादारों की सेवा ही हो ...ssss
सेवादारों की सेवा ही गुरु सेवा जानी
माता बुध्दवंतीजी.... ॥३॥

दिये हमें सद्‌गुरु बचन जी
धन्य धन्य हो माताजी
तुम धन्य धन्य हो माता
आने वाली सदियाॅं दिलवर गायेंगी तेरी गाथा
दिलवर गायेंगी तेरी गाथा
गली गली संदेश ये गुंजे हो ssss
गली गली संदेश ये गुंजे माॅं थी वरदानी
जगत की मा थी वरदानी
माता बुध्दवंतीजी ..... ॥४॥